हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

18 दिसम्बर, 1991

खण्ड 2, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 18 दिसम्बर, 1991

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र न का लिखित उत्तर	(2)27
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)33
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(2)34
विभिन्न विशयों पर उठाया जाना	(2)34
वर्श 1991–92 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेट्स (फर्स्ट इन्सटालमैंट) पर चर्चा तथा मतदान–	
(i) राज्य के राजस्वों पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा	(2)40
(ii) अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(2)40

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 18 दिसम्बर, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Industrial Training Institutes in the State

***22. Shrimati Chandravati:** Will the Minister of State for Industrial Training & Vocational Education be pleased to state-

(a) the total number of Industrial Training Institutes in the State at present;

(b) the details of the machines installed for imparting training to the students in each of the Institute as referred to in part (a) above; and

(c) the number of machines out of those as referred to in part (b) above which are out of order for the last six years; and

(d) whether there is any proposal under consideration of the Government to open more Industrial Training Institutes in the State during this financial year; if so, the details thereof?

औद्योगिक प्र ाक्षण राज्य मन्त्री (चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मान): इस सवाल के बारे में जवाब यह है:–

(क) 28 आई0टी0आइज0 हमारे प्रदे ा में काम कर रही हैं जिनमें से 3 खास तौर पर महिलाओं के लिये हैं।

(ख) मोटे तौर पर 8 कैटेगरीज की म ाीनरी है। बाकी छोटी–मोटी म ाीनरी तो बे ाुमार है। अगर हम इन सारी म ाीनरीज की फेहरिस्त बनाने लगें तो 6–7 सौ सफे लग जायेंगे और इससे कोई खास मकसद अचीव नहीं हो पायेगा। बेकार में लम्बी चौड़ी एक्सरसाईज हो जायेगी।

(ग) कोई भी म ाीनरी ऐसी नहीं है जो 6 साल से ज्यादा अर्से से खराब पड़ी है। जो कोई भी खराब होती है, उसे हम वक्तन–फवक्तन ठीक कराते रहते हैं। कुछ तो आई0टी0आईज0 के बीच में ही ठीक करा लेते हैं। अगर कोई वारंटी पीरियड में होती है तो वारंटी वालों से ठीक कराते हैं। बाकी अगर जरूरत पड़े तो बाहर से भी ठीक करवाते हैं। आज की तारीख में कोई ऐसी म ाीनरी नहीं है तो 6 साल से ज्यादा अर्से से खराब पड़ी हो।

(घ) इस वित्त वर्श के अन्दर इन आई0 टी0 आईज0 में कोई एक्सपैं ान करने का विचार नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावती: जनाब, बात ऐसे है कि इतने लम्बे चौड़े जवाब की बात तो नहीं थी। मुझे इन आई0 टी0 आईज0 के

बारे में पर्सनल पता है। मैं उस हिसाब से यह कह सकती हूं कि इनमें सारी की सारी म ाीनें खराब पड़ी हैं। वहां पर पढ़ने वालों के लिये कोई प्रैक्टिकल ट्रेनिंग नहीं होती। बच्चों को केवल किताबें पढ़ा दी जाती हैं। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या उन्होंने कभी इंस्पैक ान करके देखा है कि इन आई0 टी0 आईज0 में म ाीनें सब की सब ठीक भी हैं या नहीं।

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः मैडम, मैं सब की सब जगह तो नहीं गया हूं। हां, बहुत सी जगह पर गया हूं। जहां–जहां पर भी मैं गया हूं, वहां पर मैंने म ाीनें ठीक देखी हैं। वहां पर स्टाफ की कमी जरूरी थी। 40 परसैंट के करीब सटाफ कम था। लिहाजा हमने मुख्य मंत्री जी की सहमति से अब एस0 एस0 एस0 बोर्ड द्वारा उनके लिये इन्टरव्यूज होल्ड करा लिये हैं। उनको भरने के लिये बहुत सा समय कर्टेल करने की और प्रोसैस को जल्दी करने की कोि ा ा की है। हमें आ ाा है कि हम जल्दी ही स्टाफ की पूर्ति कर लेंगे। जब ऐसा हो जायेगा तक क्वालिटी आफ एजुके ान भी अच्छा दे पायेंगे। म ाीनरी तो है लेकिन पिछले 4 साल से वहां पर स्टाफ पूरा नहीं था।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, म ाीनरी तो आई0 टी0 आईज0 में है ही नहीं। अगर हैं तो खराब पड़ी हैं। अगर मिनिस्टर साहब गलत ब्यानी करेंगे तो उसका क्या इलाज होगा। हम यह चाहते हैं कि आप इस बारे में इनको डायरैक्ट करें। हम चाहते हैं कि बच्चों को स्किल्ड लेबर बनायें ताकि वह अपनी

इंडस्ट्रीज लगा सकें। इसी वजह से मैंने यह सवाल पूछवाया था। मैं गर्व के साथ एक बात कह सकती हूं कि हमने प्रताप सिंह कैरों से संयुक्त पंजाब के समय में कहकर यह ट्रेनिंग स्कूल खुलवाये थे। आज इनकी हालत बहुत खराब है। हमारी सरकार इनकी तरफ कोई ध्यान नहीं देती। वहां पर अव्वल तो म ाीनें हैं ही नहीं, अगर हैं भी तो खराब पड़ी हैं। इसी लिये इन्होंने उसका पूरा ब्यौरा नहीं दिया है।

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात बिल्कुल भी नहीं है वहां पर म ाीनरी नार्म्ज के मुताबिक पूरी है। सैंट्रल गवर्नमैंट ने इसके लिये कुछ नार्म्ज तय कर रखे हैं। उन नार्म्ज को फुलफिल किये बगैर कोई आई0 टी0 आई0 खुल ही नहीं सकती। जब तक कोई वहां पर पार्टीकुलर कैटेगरी आफ म ाीनरी ही नहीं होगी तो किसी पार्टीकुलर ट्रेड को हम वहां पर खोल ही नहीं सकते। खोलने का एक ही आधार है, सैंट्रल गवर्नमैंट इसके लिये म ाीनरी की इंस्पैक ान करती है और म ाीनरी की कास्ट को कांट्रीब्यूट करती है। गवर्नमैंट आफ इंडिया म ाीनरी की कास्ट का 60 परसैंट कान्ट्रीब्यूट करती है। लिहाजा सारी म ाीनरी वहां पर तैनात हे। मौके पर मौजूद है। अगर मोहतरिमा देखना चाहेंगी तो हम इनको दिखा भी देंगे। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): मंत्री जी ने बिल्कुल ठीक ही कहा है। बहिन जी हमें कोई पार्टीकुलर जगह बतायें कि फलां जगह मैं गयी थी और वहां पर म ाीनरी ठीक नहीं थी। यूं

ही वेग एलीगे ान लगाने का कोई मतलब नहीं है कि वहां पर म ीनरी ही नहीं है। यूं ही ऐसीगे ान लगाने के कोई मायने नहीं है। बहिन जी, बहुत पुरानी मैम्बर हैं। मंत्री भी रही हैं। आप हमें बताएं कि फला जगह मैं गयी थी, वहां पर म ीनरी ठीक नहीं है। हम आपकी तसल्ली करायेंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः अभी तो मैं गयी नहीं हूं। (ाोर व व्यवधान) ऐसे है कि मेरा यह काम नहीं है कि मैं कहीं जाऊं। मुझे तो स्टुडैंट्स बताते हैं। आखिर हर जगह पर हम नहीं जा सकते हमें तो लोग बताते रहते हैं। (व्यवधान व भाोर) हम तो आपसे सवाल ही पूछ सकते हैं। मुझे महेन्द्रगढ़ के कुछ ट्रेनिज ने जो इन आई0 टी0 आईज0 के स्टुडैंट्स हैं, ने यह सब कुछ बताया है। वहां के बारे में तो मैं कह सकती हूं।

चौधरी भजन लालः किसी ने लिख कर दिया हो मुझे दे दो।

श्रीमती चन्द्रावतीः मुझे जुबानी बताया है।

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः जो भी आपके पास इन्फर्मे ान है, वह आप हमें दें, हम अगर कोई कभी होगी तो उसे पूरा करवा देंगे। (ाोर व व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैंने जो सवाल पूछा था, इन्होंने उसका पूरा जवाब नहीं दिया है।

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अगर हम सारी म ीनरी की डिटेल देने लगें तो 600, 700 के करीब सफे बनेंगे। क्या आप चाहेंगे कि इतनी फयूटाईल एक्सरसाईज एक छोटे से मसले के लिये की जाये। इनके पास कोई भी इत्तलाह हो, यह हमारी नौलेज में लायें। हम वि वास दिलाते हैं कि हम जल्दी से जल्दी उसको ठीक करा देंगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि लगभग 40 परसैन्ट पोस्टें खाली पड़ी हैं और कई आई–टी–आईज ऐसी भी हैं जहां पूरी की पूरी पोस्टें खाली पड़ी हैं। मैं तीन दिन पहले महेन्द्रगढ़ आई0 टी0 आई0 में गया था तो उन्होंने बताया कि वहां पर ड्राफटमैन्स की ट्रेनिंग के लिये कोई टैक्नीकल टीचर ही नहीं है और न ही कोई लेथ म ीनें ही हैं जो कि डिजाइनिंग के लिये प्रयोग में आती हैं। यह सब मैं अपनी आंखों से देखकर आया हूं। इसलिये मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिन जिन आई0 टी0 आईज0 में टैक्नीकल टीचर्ज या दूसरी ट्रेडज के टीचर्ज नहीं है वहां पर बच्चों की डिमांड को ध्यान में रखते हुए टीचर्ज नियुक्त करने पर गौर करेंगे ताकि बच्चों को ट्रेनिंग में किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े?

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी बताया कि जब मुख्य मंत्री महोदय जी के नोटिस में यह बात आई कि कई आई0 टी0 आईज0 में टैक्नीकल टीचर्ज वगैरह

की कमी है तो उन्होंने इस मामले को बड़ी तेजी के साथ प्रोसैस करवाया। इसके लिये एस0 एस0 एस0 बोर्ड द्वारा इंटरव्यू भी हो चुकी है और बहुत जल्द ही सिलैक ान होने के बाद टीचर्ज अपनी अपनी जगहों पर तैनात हो जायेंगे और आई0टीआईज0 का काम सुचारू रूप से चल पड़ेगा। पिछली सरकार ने पिछले चार सालों से आई0टी0आईज0 की हालत काफी खराब कर रखी थी जिसको सुधारने के लिये समय लगना स्वाभाविक ही है। हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत सी बाधाओं को दूर करते हुए और समय को घटाते हुए टीचर्ज की सिलैक ान को पूर्ण करवाया है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि म ानरीज तो है लेकिन स्टाफ की कमी है तो मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि कौन कौन से ऐसे आई0टी0आईज हैं जिनमें स्टाफ की कमी है और वह कमी कब तक पूरी कर दी जाएगी?

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, मेरे विचार में यह अपनी किस्म का अगल ही प्र न बन गया है। इस बारे में मैम्बर साहेबान दोबारा प्र न पूछें तो हम उसका उत्तर दे देंगे क्योंकि इस वक्त न्युमैरिकली ढूढ़ना या जुबानी बताया नहीं जा सकता।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को यह बताना चाहता हूं कि जिस जिस आई0टी0आईज0 में स्टाफ की

कमी है वहां 15 दिनों के अन्दर अन्दर स्टाफ की कमी पूरी कर दी जाएगी। प्रान्त में कोई ऐसा आई0टी0आई0 नहीं होगा जहां पर स्टाफ की कमी होगी और ट्रेनिंग बाकायदा चलती रहेगी ताकि बच्चों को किसी भी प्रकार की परे ाानी का सामना न करना पड़े। (तालियां)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बहिन चन्द्रवती जी के प्र न के उत्तर में बताया कि म ाीनरीज की डिटेल्ज के बारे पूछे गये विवरण को तैयार करने में काफी परिश्रम लगेगा और उसका कोई खास फायदा नहीं होगा। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि ऐसी कौन–2 बड़ी बड़ी म ाीनरीज हैं जिनसे ये बच्चों को ट्रेनिंग देते हैं ताकि बाद में बच्चे उसी वोके ान को अडाप्ट कर सकें या कोई और सरकार के टैक्नीकल वोके ान में जा सकें। किस तरह ट्रेनिंग के लिये ये बच्चों की तैयार करते हैं? बहन चन्द्रावती जी ने काह कि मैंने आज तक कहीं जाकर नहीं देखा। मेरी आपके द्वारा सरकार से यह रिक्वैस्ट है कि बहन चन्द्रावती जी की अध्यक्षता में सरकार एक कमेटी बना दे ताकि वे लोग वहां जाकर खुद देख लें कि आई0टी0आईज0 में बच्चों को कौन–कौन सी वोके ानल ट्रेनिंगज दी जा रही है जिसके लेने के बाद बच्चे आत्मनिर्भर बन सकते हों? क्या सरकार इस तरह की कोई कमेटी बनाने की विचार रखती है?

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, अभी सम्पत सिंह जी ने पूछा है परन्तु बहुत लम्बी लिस्ट आफ म ाीनरी

है। 80 के करीब तो मेजर म ाीनें हैं, लेथ म ाीनें हैं, ड्रीलींग म ाीनें हैं, भोपरज म ाीनें हैं, प्लेनरज हैं, टीथ कटिंग म ाीनें हैं, ग्राफिंग म ाीनें हैं और बेलडिंग म ाीनें हैं, कई ट्रैक्टरज हैं, मोल्डिंग म ाीने हैं। अब किस–किस का नाम लिया जाए।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, पर ये म ाीनें सारी की सारी खराब हैं।

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः बहन जी आपकी निगाह अपनी तरह की है। हम जो देखकर आए हैं वे तो चलती म ाीनें हैं लेकिन आप हमारी बड़ी बहन हैं और अगर अध्यक्ष महोदय की आज्ञा से आप कहीं देखना चाहे तो हम आपको साथ लेकर चलेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये इतना तो बता दें कि ये कौन कौन से वोके ान की ट्रेनिंग देते हैं ताकि बच्चे वहीं वोके ान अडाप्ट करे सकें। इसमें गवर्नमैंट का ही फायदा है। केवल पालसी मैटर ही तो बताना है।

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, तकरीबन 43 ट्रेड हैं जिनमें हम बच्चों को ऐडमि ान देते हैं। इसमें फरीदाबाद में, यमुना नगर में, गुड़गांव में तरह–तरह के बच्चियों के लिए भी ट्रेड हैं। टेलरिंग–कटिंग के हैं, म ाीनिश्ट के हैं, बैलडर्ज के हैं, ट्रैक्टर मैकेनिक्स के हैं, मोटर मैकेनिक्स के हैं और प्लास्टिक ट्रेड है। ये सारे 43 ट्रेड हैं और यदि आप चाहेंगे तो

आप को उनकी लिस्ट देने में कोई देरी नहीं होगी। लेकिन आप प्र न कर दीजिए, हम उसका उत्तर दे देंगे।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से एक सवाल पूछना चाहूंगा। गांव कथूरा जिला सोनीपत में आई0टी0आई0 के अन्दर सतबीर नामक एक सहायक है जो हरिजन जाति से सम्बन्ध रखता है। वहां पर जो प्रिंसीपल है वह उच्च जाति का लगा हुआ है। उस प्रिंसीपल ने छुआछुत के कारण उसका पानी का मटका भी अलग रखवा दिया है और सतबीर सिंह नामक व्यक्ति ने जब उसके खिलाफ आवाज उठाई तो उसको सस्पैंड कर दिया गया। (ोम– ोम) उसने बार–बार मंत्री जी से दरख्वास्त करी है। मंत्री जी उसके बारे में क्या निर्णय लेंगे, वह बता दें?

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, यह जो इन्होंने कहा है यह बिल्कुल इररेलेवैन्ट सवाल है। यह जो कुछ भी हुआ होगा इनके जमाने में हुआ होगा। हमारे समय में ऐसा कभी नहीं हुआ। इनके जहन में यह पुरानी बात है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैम्बर कह रहे हैं कि मैंने मंत्री जी के नोटिस में ना दिया है तो मंत्री जी बताएं कि क्या उनके नोटिस में आया है या नहीं आया है।

Mr. Speaker: It has got no relevancy with this question.

चौधरी तेजेन्द्र पाल सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, मेरे नोटिस में पहले ऐसी कोई बात नहीं आई है। परन्तु आज आई है, इसको देख लेंगे। इसके बारे में पता कर लेंगे और यदि हरिजन की जाति के आधार पर किसी ने कोई गलत काम किया होगा तो उसकी सख्त से सख्त सजा देंगे।

Upgradation of Schools in the State

***27. Shri Amar Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state the constituency-wise number of schools upgraded from Primary to Middle, Middle to High and High to 10+2 system in the State during the years 1985-86, 1986-87, 1987-88 and 1991-92 to-date?

ि ाक्षा मन्त्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी): सूची विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

STATEMENT

Constituency wise number of schools upgraded during 1985-86, 1987-88 & 1991-92

		1985-86			1986-87			1987-88			1991-92		
Sr.	District/ Constituency	pry. to Middle	Middel to High	High to Sr. Sec.	pry. to Middle	Middel to High	High to Sr. Sec.	pry. to Middle	Middel to High	High to Sr. Sec.	pry. to Middle	Middel to High	High to Sr. Sec.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
Ambala/Yamuna Nagar District													
1.	Ambala Cantt.	1	1		2	1						2	
2.	Ambala City		1	1							1		
3.	Mullana	1	1	2	3	2					1	1	1

4.	Naraingarh	2	1	1	1	1					1	1	
5.	Sadhaura	3	1	1		1					1	1	
6.	Kalka			2	7	2	1				1	2	
7.	Naggal				2	1						1	1
8.	Yamuna Nagar	1	2	1	2	1							2
9.	Jagadhari	1		1	4								
10.	Chhachhrauli	1	1	1		1					1		1
Bhiwani District													
1.	Bhiwani	2		2		1					1		
2.	Tosham	1	1	1	8	7							2
3.	Badhra	3			2	2					2	2	1

4.	Mundal	1		1		1							
5.	Dadri	4	1	5	4	2							1
6.	Loharu		1	2	5	2							1
7.	Bawani Khera		2	2	6	1							1
Faridabad District													
1.	Ballabhgarh	2		2	12	3						1	1
2.	Faridabad	1	1	4	3	2						1	1
3.	Meowla Maharajpur	1	1		1	3						1	1
4.	Palwal	1	1	2	3	1							
5.	Hassanpur		1	1	2	1						1	1

6.	Hathin			2	2	2						1	1
Gurgaon District													
1.	Sohna	1	1	1	2	1					2		1
2.	Pataudi	3	1	2	2	1							
3.	Firojepur Zhirka	2		2	1	1						1	
4.	Nuh	1	1		1	1					1	1	1
5.	Gurgaon		1	3	3	1						1	1
6.	Taoru			2	4	2					1	1	
Hisar District													
1.	Ghirai	2	2	2	2	1						1	1
2.	Adampur	2	5	3	1							3	5
3.	Ratia	2	1	1	1								

4.	Fatehabad	2		2	2						1	2	1
5.	Tohana	2	0	1	1						1	1	
6.	Bhattu Kalan	1	1	1	1								2
7.	Hansi		1	2	1	2						1	1
8.	Barwala		2	2	2	1					1	2	
9.	Narnaund			1									
10.	Hissar			2	2								
Jind District													
1.	Safidon	1	2	2	2	1						1	1
2.	Kalayat	1	2	1	2	1							1
3.	Rajaund	1		2	4	1							

4.	Jind	2	1	1	4	1						2	
5.	Narwana	2	4		3	3						1	1
6.	Uchana	1	2	2	3	2						1	1
7.	Julana		1	1	3	2							
Kurukshetra District													
1.	Shahabad	1	1	1	2	2					2		1
2.	Radaur	2	1		3	2							
3.	Thanesar	1	2	1	2							1	1
4.	Guhla	2	1		2	1							1
5.	Pundri	2	1		4	1					2	1	1
6.	Kaithal	1	2	3	3	1						1	1
7.	Pehowa		1		2	1						1	1
8.	Pai		1	1	2	2							1

Karnal District													
1.	Karnal	1		2	1							1	1
2.	Gharaunda	1	2	1	4	1					1		1
3.	Nilokheri	1	1	1	1	2						2	1
4.	Indri			2		1							
5.	Jundla	1		1	1	2						1	1
6.	Assandh	1	2	1	3	2							
7.	Panipat	1		1								1	1
8.	Samalkha		1	2	5							1	2
9.	Naultha	1	2	2	3	2					1		
Narnaul/Rewari District													
1.	Narnaul	1	2	1	2	1						1	
2.	Ateli	1	1	2	4	2					1	1	1

3.	Mohindergarh	1	2	2								1	1
4.	Rewari	2	1	2	2	1						1	1
5.	Bawal	2	2	2	3	1						1	1
6.	Jattusana		2	2	4	1						1	1
Rohtak District													
1.	Kalanaur	1	2	1	2	1						2	1
2.	Kiloi		1	1		1						1	1
3.	Beri			2								1	
4.	Salhawas	3	1	2	4	1							
5.	Jhajjar	1		1	2	3						1	1
6.	Badli			3		1							2
7.	Hassangar		1	1									

	h												
8.	Rohtak			2							1		1
9.	Hahadurgarh			2							1		1
10.	Meham			2	1							1	1
Sirsa District													
1.	Rori	5	5	3	2						2		
2.	Dabwali	1	2	2	1	2						1	1
3.	Sirsa	2	1	1	1	1					1		1
4.	Elnabad	4	1	1								1	1
5.	Darba Kalan	2	1	1	2	2							
Sonipat District													

1.	Kailana	1	1	1	2	1					2	1	2
2.	Baroda	2		2	1	1							
3.	Rai		2	1	2	2						1	1
4.	Sonepat	3		1	1							2	2
5.	Gohana		1	1	2	2						1	1
6.	Rohat				4						4	1	3

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि हाई से सीनियर हाई सकेन्डरी स्कूल बनाने का क्राइटेरिया क्या है और प्राईमरी से मिडिल और मिडिल से हाई स्कूल बनाने का क्राइटेरिया क्या है? क्या पौलिटिकल क्राइटेरिया तो नहीं है क्योंकि आदमपुर में 5 और बाकी किसी हल्के में एक भी स्कूल अपग्रेड नहीं हुआ है ऐसा इस सूची से लगता है।

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय सदस्य भाई श्री अमर सिंह जी ने पूछा है कि 10 जमा 2 स्कूल बनाने के लिए हमारा क्राइटेरिया क्या है। अध्यक्ष महोदय, हमारे को बिल्डिंग चाहिए जिसमें कम से कम 14 कमरे हों, उसके लिए स्टाफ हो, स्टाफ रूम हो, स्टोर हो। इस तरह का सारा प्रावधान हो जो मापदण्ड में आता है तो 10 जमा 2 स्कूल बनाया जा सकता है। किन्तु जनहित को हमे ाा ध्यान में रखा जाता है।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, अमर सिंह ने कहा है कि आदमपुर में 5 स्कूल अपग्रेड कर दिए गए हैं और बाकी जगह एक भी स्कूल अपग्रेड नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं है। आदमपुर हल्के की पोजी ान आप जानते हैं। पिछले चार साल में चौधरी देवी लाल जी के राज में उस हल्के में कोई तरक्की का काम नहीं किया गया था, किसी आदमी को नौकरी नहीं दी गई थी। कहते थे कि कहां का है, आदमपुर का है तो जाओ वहां तो पहले ही बहुत कुछ हो लिया है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, जो हल्के बहुत पीछे रह गए हैं उनको दूसरे

हल्कों के बराबर लाना मेरा कर्तव्य बनता है। इसमें कोई झिझक नहीं है। बाकी कोई ऐसी बात नहीं है।

श्री सतबीर सिंह कादियानः हमारे समय में आदमपुर में भी स्कूल अपग्रेड हुए हैं। यह गलत ब्यानी कर रहे हैं।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी सदन को गुमराह कर रहे हैं। किसी नौकरी के मामले में कोई ऐसी बात नहीं थी। आदमपुर हल्के में पटवारियों की भर्ती हुई उसमें इनके हल्के के आदमी लगाये गए। लेकिन इन्होंने विरोधी पार्टी के विधायक के हल्के में कोई भी स्कूल अपग्रेड नहीं किया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बैठिए धीर पाल सिंह जी।

चौधरी जिले सिंह जाखड़ः स्पीकर साहब, अभी इन्होंने कहा कि जिस हल्के में 12–14 कमरे हैं उस स्कूल को अपग्रेड कर देंगे। मैं अपने हल्के की ही मिसाल देता हूं। साल्हावास हल्के के बिरोहड़ गांव में एक हाई स्कूल है वहां पर लोगों ने चन्दा इकट्ठा करके बिल्डिंग बनायी है वहां 28 कमरे हैं और यह बिल्डिंग 10 प्लस 2 स्कूल में अपग्रेड करने के लिए उपयुक्त है। ऐसी बिल्डिंग हरियाणा में किसी स्कूल में नहीं है हमने तीन दफा स्कूल को अपग्रेड करने के लिए लिखकर भेजा लेकिन वह रिजैक्ट कर दिया गया। मै। इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या यह अब स्कूल को अपग्रेड कर देंगे? इसके साथ साथ मैं इन्हें यह बताना

चाहता हूं कि इन्होंने स्कूल अपग्रेड करने का क्राइटेरिया तो बता दिया है लेकिन इनके नोटिस में क्या यह बात है या नहीं कि मुख्य अध्यापक भी महीने में एक बार आकर सारे महीने की हाजिरी लगा जाते हैं। ऐसे तीन उदाहरण मैं इनको साल्हावास, खानपुर, बिरोहड़ के दे सकता हूं जहां पर मुख्य अध्यापक रोहतक से आते हैं और सारे महीने की हाजिरी लगा जाते हैं। दूसरे इनसे यह पूछना चाहूंगा कि एस0डी0ई0ओ0, डी0ई0ओ0 भी कोई चैकिंग करते हैं या नहीं?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः स्पीकर साहब, यह जो विधान सभा में कह रहे हैं आप इनसे पूछिये कि क्या कभी इन्होंने इस बारे में मुझसे ि ाकायत की या लिखकर भेजा? अगर इन्होंने ऐसा किया होता तब हम अब तक इस पर विचार करते (विध्न) आप यहां पर भाशण न दें कृपया प्र न पूछिये, उसका आपको टू दि प्वायंट जवाब मिलेगा।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री साहब ने खड़े होकर यह कहा कि आदमपुर हल्के के साथ बड़ा भारी भेदभाव पिछली सरकारों द्वारा किया गया था। आदमपुर को बड़ा इग्नौर किया गया है और किसी की कोई बात नहीं पूछी और न ही कोई स्कूल अपग्रेड हुआ तथा न ही किसी बच्चे को नौकरी पर लगाया गया। यह जो स्टेटमैंट स्कूल के अपग्रेड ान के बारे में बांटा गया है अगर उसे देखा जाए तो यह पता लगता है कि कालम 3 से लेकर 14 तक (1985 से 1991–92 तक) कुल 19

स्कूल आदमपुर हल्के में अपग्रेड हुए हैं। लेकिन इन कालम्स में देखने से यह पता चलता है कि नारनौंद के केवल एक स्कूल ही अपग्रेड हुआ है। क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि जो भी मुख्य मन्त्री जी आते हैं क्या वे अपनी कांस्टीच्यूएंसी के अलावा और कोई काम नहीं करते? क्या वे अपने हल्के के ही मुख्य मन्त्री होते हैं और हरियाणा की बाकी प्रजा की तरफ उनका ध्यान नहीं रहता? अगर दूसरे हल्कों की तरफ भी उनका ध्यान रहता है तो हल्का नारनौंद में कम से कम दस स्कूलों को अपग्रेड करने की मांग है। क्या मुख्य मन्त्री जी इस तरफ गौर करेंगे?

चौधरी भजन लालः चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी बहुत पुराने मैम्बर हैं और इन भाइयों से कुछ बात भी अच्छी करते हैं। इन्होंने कहा कि आदमपुर में बहुत ज्यादा स्कूल बन गए। अगर आप कहते हैं कि नारनौंद में केवल एक स्कूल अपग्रेड हुआ है तो वहां के लोगों की यह बड़ी भारी भूल है जो आपको चुन कर भेजते हैं। पिछले चार साल में से एक साल तो मैं कह सकता हूं कि आप चौधरी देवी लाल के साथ नहीं थे। तीन साल तो आप सर्वे सर्वा थे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः तीन साल नहीं, दो साल।

चौधरी भजन लालः चलो दो साल सही। दो साल के लिए तो आप खुद मानते हैं कि आप देवी लाल के नाक के बाल रहे। तो दो साल में आप केवल एक स्कूल अपग्रेड करवा पाए।

ऐसा करके आने वहां के लोगों की नुमायंदगी ठीक नहीं की। सरकार तो लोगों की आव यकता के मुताबिक स्कूल अपग्रेड करती है। जहां सर्विस देने की बात होती है वहां सर्विस भी देते हैं। 1987 में जब चुनाव हुए थे तो उस समय इस प्रदे ा में कांग्रेस के 5 मैम्बर चुन कर आए थे जिनमें से एक मेरी धर्मपत्नी जसमा देवी भी थी। उस समय आदमपुर हल्के का जब भी नाम बाता था तो कह देते थे कि वहां क्या जरूरत है वहां तो पहले ही बहुत स्कूल अपग्रेड हो गए हैं। इन लोगों को आदमपुर से बहुत नफरत थी। ऐसा होने से पिछले चार सालों में वहां के लोगों ने बहुत सफर किया। अब उन लोगों के साथ हम इन्साफ करेंगे। अगर नहीं करेंगे तो मैं उस इलाके को सही मायनों में नुमायंदगी नहीं कर पाऊंगा।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे टाइम देकर बड़ी कृपा की। क्या ि ाक्षा मन्त्री महोदया बताएंगी कि यह बात उनके नोटिस में है कि मेरे हल्के रतिया में जाखल मण्डी का स्कूल दस जमा दो में अपग्रेड किया गया था और बाकायदा उसकी चिट्ठी गई थी लेकिन वह अभी तक चालू नहीं हुआ है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह कैंसिल हो गया है अगर नहीं, तो जाखल स्कूल को कब तक चला देंगे?

श्रीमती भाान्ति देवी राठीः अध्यक्ष महोदय, पीर चन्द जी मेरे बड़े भाई हैं और बड़े सीनियर मैंबर हैं। ये इस बात को आज विधान सभा में कह रहे हैं जबकि पिछले दिनों में मेरे को बार

बार मिलते रहे हैं। पिछले दिनों में ये मेरी नालेज में किसी स्पैसिफिक स्कूल के बारे में कोई बात नहीं लाए।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, इन्होंने यह कह कर टाल दिया कि पिछले दिनों मैंने इनके नोटिस में ऐसी कोई बात नहीं लाई। मैंने इन्हें और कामों के लिए कहा था मगर इन्होंने यह जवाब दिया कि हम अपोजि ान वालों का काम नहीं करते। लेकिन मैं यहां पर आपके द्वारा प्रार्थना करना चाहता हूं कि मैं उस स्कूल को चलवाना चाहता हूं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस सदन में जितने भी माननीय सदस्य हैं चाहे वे इस साइड में बैठे हैं या उस साइड में, हम सब का सम्मान करते हैं। जहां भी पब्लिक इन्ट्रैस्ट की बात होती है वहां हम सब को सम्मान देते हैं। कोई भी जनता की तकलीफ की बात हो चाहे स्कूल अपग्रेड करने की हो या सड़क बनाने की हो जो जायज तकलीफ है उसको दूर करने का हमारा फर्ज बनता है। स्पीकर साहब, ये कहते हैं कि स्कूल के बारे में चिट्ठी गई थी लेकिन आज तक क्लास चालू नहीं की गई। स्पीकर साहब, चिट्ठी के बारे में हम दिखवा लेगे। स्पीकर साहब, मैं सदन को बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने जाते–जाते मार्च महीने में 350 स्कूल अपग्रेड कर दिए। बजट में 2 करोड़ 72 लाख रुपये का प्रोवीजन था लेकिन उस सरकार ने 350 स्कूल अपग्रेड कर दिए जिन पर छः करोड़ रुपया खर्च आना था। मार्च के महीने में उस सरकार ने अगले साल के लिए स्कूल अपग्रेड कर

दिए। स्पीकर साहब, उस सरकार ने यह नहीं देखा कि कोई स्कूल अपग्रेडे ान के नार्म भी पूरा करता है या नहीं, वहां पूरे विद्यार्थी भी हैं या नहीं हैं और दूसरे स्कूल अपग्रेड होने वाले स्कूल से कितनी दूर हैं। उस स्कूल में कितने कमरे हैं यह भी नहीं देखा। कोई चीज उस सरकार ने नहीं देखी। स्पीकर साहब, हमारी सरकार आने के बाद हमने सारी पोजी ान रिव्यू की। पहले वाले सारे स्कूल जिनको अपग्रेड किया गया था, उनको कैन्सिल किया। कायदे कानून के मुताबिक जो स्कूल अपग्रेडे ान का नार्म पूरा करता था और सारी कंडी ान पूरी करता था उस स्कूल को अपग्रेड किया। स्पीकर साहब, चौधरी पीर चन्द के स्कूल का नाम अगर उस लिस्ट में होगा तो पन्द्रह दिन के अन्दर वहां क्लासें चालू हो जाएंगी।

श्री दरयाव सिंह राजौराः स्पीकर साहब, मेरे यहां एक ढाकला स्कूल है। वहां पर हरिजन बच्चों को जो वर्दी दी गई है उसका कपड़ा बहुत ही खराब है। मैं उस कपड़े का सैम्पल लाया हूं। यह कपड़ा आप देख सकते हैं कि कितना खराब है (ोम भोम)

Mr. Speaker: This supplementary does not arise out of the main question (Noise).

श्री दरयाव सिंह राजौराः स्पीकर साहब . . . . . (ाोर एवं व्यवधान) . . . . . । (ाोर)

(इस समय माननीय सदस्य श्री दरयाव सिंह राजौरा ने कपड़ा ि ाक्षा मंत्री की ओर फैंका। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: The conduct of the member is most undesirable and unbecoming (Noise). Whatever he has said without permisison may be expunged (Noise). The member should apologise for his conduct.

(At this stage, several members rose to speak.)

Mr. Speaker: I would request all the members to please take their seats. (Noise & Interruptions) Let the member first apologise.

श्री दरयाव सिंह राजौराः अध्यक्ष महोदय, मैं नया मैम्बर हूं। मुझ से गल्ती हो गई। भावनाव ा मुझ से गल्त काम हो गया। मैं हरिजन हूं और हरिजन बच्चियों के दु:ख के कारण मैं भावना में बह गया था और मुझ से गल्त काम हो गया। इसलिए जो कुछ मैंने किया है उसके लिए मुझे माफ किया जाए।

10.00 बजे

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने माफी मांग ली है। वह नए सदस्य है। इसलिए उनको इस बात की जानकारी नहीं थी (ाोर)।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने सही बात कही। हम माननीय सदस्य की इज्जत करते हैं लेकिन इनका बात करने का जो तरीका था वह ठीक नहीं था। इस तरह से हाउस में

कपड़ा फैकने का तरीका वाकई ही गलत था। आपने भी उस बात को महसूस किया और सारे हाउस ने उस बात को कंडैम किया है। लेकिन क्योंकि उस बात के लिए माननीय सदस्य ने माफी मांग ली है। अब मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि वह वातावरण को भाांत रखें। (ाोर)

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, उन्होंने क्या माफी मांगी है, हमने नहीं सुना। (ाोर) उनको दोबारा हाउस के सामने माफी मांगनी चाहिए। (ाोर)

जन स्वास्थ्य मन्त्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, इनको हाउस के सामने खड़े हो कर बहन जी से माफी मांगनी चाहिए वरना इसे ऐक्सपैल कर दिया जाए। (ाोर)

Mr. Speaker: I will request you all to please take your seat.

श्री धीर पाल सिहंः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने माफी मांग ली है। (ाोर)

आवाजें: उन्होंने जो माफी मांगी है वह हमें सुनाई नहीं दी। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कह रहे हैं कि उन्होंने जो माफी मांगी है वह सुनाई नहीं दी इसलिए महरबानी करके माननीय सदस्य उसको रीपीट कर दें कि उनसे गलती हो गई और आयंदा वह ऐसी गलती नहीं करेंगे। (ाोर)

Mr. Speaker: The hon. member may please repeat what he had said.

श्री दरयाव सिंह राजौराः स्पीकर साहब, मैं नया सदस्य हूं इसलिए मेरे से गलती हो गई। मैं उसके लिए बहन जी तथा हाउस से माफी चाहता हूं।

Mr. Speaker: All right, now the matter ends here. Next Question.

Allotment of sites to Rehri Pullers in Karnal City

***11. Shri Jai Parkash:** Will the Minister of State for Local Government be please to state-

(a) the number of Rehri Pullers in Karnal City, who have been issued licences by the Municipal Committee, Karnal so far; and

(b) whether there is any scheme under consideration of the Government to allot permanent site to the persons as referred to in part (a) above; if so, the details thereof togetherwith the time by which the site is likely to be allotted to them?

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्मबीर गाबा):

(क) 474 लाईसैंस।

(ख) नहीं। इस प्रकार का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

श्री जय प्रका ाः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि करनाल भाहर में जिन 474 रेहड़ी चलाने वालों को लाईसैंस दिए हुए है उनके लिए जगह का प्रावधान किया जाना चाहिए क्योंकि पिछली सरकार के समय में उनसे मंथली ली जाती थी। इसके अलावा पिछली सरकार ने करनाल भाहर को चौधरी देवी लाल जी के भाई के दामाद को कन्यादान के रूप में दिया हुआ था। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने चौधरी देवी लाल जी के बारे में जो बात कही है वह ऐक्सपंज होनी चाहिए। माननीय सदस्य को सप्लीमैंटरी पूछनी चाहिए। बोलने का यह कोई तरीका नहीं है। (ाोर)

आवकारी एवं कराधान मन्त्री (श्री ए0सी0 चौधरी): अभी थोड़ी देर पहले आप अपने सदस्य के बारे में कह रहे थे कि वह नए सदस्य हैं इसलिए उन्होंने ऐसी बात कह दी। अब हम कह रहे हैं कि ये भी नए सदस्य हैं इसलिए इन्होंने ऐसी बात कह दी। इसमें ऐक्सपंज होने वाली क्या बात है। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप फैसला करें कि क्या यह सप्लीमैंटरी करने का तरीका ठीक है।

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप सवाल पूछें।

श्री जय प्रका ाः स्पीकर साहब, पिछली सरकार के समय में उन रेहड़ी वालों को पुलिस के द्वारा हटाया जाता था। मैं

पूछना चाहूंगा कि क्या उनके लिए कोई जगह देने का प्रावधान किया है ताकि उनकी रेहड़ी कहीं निि चत जगह पर खड़ी हो सके।

चौधरी धर्मबीर गाबा: मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि रेहड़ी लगाने वाले लोगों को लाईसैंस इसलिए दिए जाते हैं ताकि वे अपना सामान बेच सके। उनको परमानैंट जगह नहीं दी जाती। जैसा मैंने बताया कि वाहं पर 474 लोगों को लाईसैंस दिए हुए हैं। कल को यह संख्या 3 या 4 हजार तक भी पहुच सकती है। अगर इस परमानैंट जगह देने लग गए तो फिर हमारे पास इतनी जगह भी नहीं है कि हम सभी को कोई निि चत जगह दे सकें। जिस जमीन देने के बारे में आप कह रहे हैं वह जमीन म्युनिसिपल कमेटी की नहीं है बल्कि इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की है। कुछ लोगों ने वह जमीन इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट से लीज पर भी ली हुई है।

श्री जय प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि वहां पर एक मीना बाजार है। उसमें काफी लोग रेहड़ी लगाते हैं। इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट ने उन लोगों को पक्की जगह देने का आ वासन दिया हुआ था। मैं जानना चाहता हूं कि क्या उनको कोई निि चत जगह दी जाएगी या नहीं?

चौधरी धर्मबीर गाबा: स्पीकर साहब, मैं पहले ही कह चुका हूं कि वहां पर जमीन म्यूनिसिपल कमेटी की नहीं है बल्कि

इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की है। जिस जमीन को ये उनको दिए जाने की बात कर रहे हैं उस जमीन का कोर्ट से स्टे मिला हुआ है। जब तक उसका फैसला नहीं हो जाता तब तक कुछ नहीं हो सकता। हां कुछ थड़े वालों को कुछ निि चत जगह दिए जाने की बात हम कन्सीडर कर रहे हैं।

Tubewells Connections

***19. @Shri Hari Singh Nalwa,**

Prop. Chhattar Singh Chauhan

Shri Pir Chand: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state

(a) the circle-wise number of applications of Electricity connections for tubewells, if any, lying pending in the State as at present togetherwith the details of period since when such applications are lying pending; and

(b) the time by which the aforesaid electricity connections are likely to be released?

Irrigation & Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala): A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) The Cirlce-wise details of number of pending applications for tubewells alongwith the period of pendency ending Octorber, 1991 is as follow:-

No. of Pending Applications

Name of	Upto 3	3 to 6	6 months	1 to 2	2 to 3	more	total
1	2	3	4	5	6	7	8
Ambala	294	378	791	1124	1161	1061	4809
Karnal	795	1043	1620	2865	2420	2833	11576
Kurukshetra	1012	899	1042	1871	1639	1873	8336
Faridabad	202	214	364	415	198	101	1494
Sonepat	848	511	868	752	829	437	4245
Gurgaon	635	601	1044	855	621	96	3852
Sirsa	369	327	861	1125	1179	1313	5174
Bhiwani	485	251	566	790	899	511	3502
Jind	446	603	857	1050	1007	698	4701
Rohtak	284	358	299	471	266	224	1502
Narnaul	886	576	1041	1436	2397	991	7327
Hisar	439	509	823	1112	1529	869	5281
Total	**6695**	**6270**	**10176**	**13906**	**14145**	**11007**	**62199**

(b) The receipt of new applications and release of connections is a continuous process. Connections to new applications are released in order to seniority as per annual

target which is pre-decided after taking into consideration the availability of resources. To expedite release of tubewell connections during current year, the original target of releasing 10,000 connections has been revised recently to 20,000 and a crash programme has been launched to achive the target for which various measures have been taken.

श्री हरि सिंह नलवाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने एक स्टेटमैंट सदन की टेबल पर रखी है। अब तक 62,199 ऐप्लीके ान टयूबवैलज के कनैक ान की पैंडिंग हैं। यह फिगर्ज इन्होंने 3 महीने से लेकर 3 साल तक या उससे ऊपर के अर्से की दी है। साथ ही यह भी कहा है कि जो पहले हम हर साल 10 हजार कनैक ान देते थे अब 20 हजार साल के देंगे। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि अगर 20 हजार के हिसाब से भी हर साल नए कनैक ान देंगे तो भी साढ़े तीन साल का समय इस बैकलोग को खत्म करने में लग जायेगा। ये कनैक ान लेने वाले काफी छोटे छोटे लोग हैं और जिनकी जीविका केवल कृशि पर ही आधारित है। इन किसानों के पास किन्हीं के पास 2 एकड़ तो किन्हीं के पास 3 या 5 एकड़ जमीन है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि किसानों के हित को देखते हुए, प्रान्त के हित को देखतेहुए और दे ा के हित को देखते हुए क्या सरकार इस बात पर विचार करेगी कि इनकी एक साल में ही टयूबवैलज के कुनैक ान मिल सकें। इसके अलावा दूसरा मेरा सवाल यह है कि पिछली सरकार ने 5 या 7 हजार रुपये जो किसान जमा करा देता था तो उसको प्रायरिटी बेसिज पर

टयूबवैल्ज के कुनैक ान दे दिए जाते थे। मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या वह प्रथा अब बंद कर दी गई है या नहीं? अगर बंद नहीं की गई है तो क्या उसको बंद किए जाने पर विचार करेंगे?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जो ये 62 हजार से ज्यादा ऐप्लीके ान्ज टयूबवैल्ज कनैक ान की पैंडिंग हैं ये तीन साल से ज्यादा की अवधि की है। स्पीकर साहब, असल में ऐप्लीके ान कितनी पैंडिंग हैं, इस बात का कुछ पता नहीं लगता क्योंकि कुछ ऐप्लीके ान्ज ऐसी हैं जिनके होने के बावजूद अल्टीमेटली टयूबवैल कनैक ान नहीं लेते। कहने का मतलब यह है कि कुछ लोग सीरियस नहीं हैं हालांकि उनकी टैस्ट रिपोर्टस तो पड़ी है। हमारे पास इस वक्त जो टैस्ट रिपोर्टस तीन साल से ज्यादा समय की है, वे 2,977 हैं। टोटल टैस्ट रिपोर्टस अक्तूबर, 1991 तक की 28,624 पड़ी हैं। इस सरकार के आने से पहले तीन–चार साल से यह कनैक ान्ज के लिये टैस्ट रिपोर्टस फाईल–अप होती चली गयी। आज से चार साल पहले जो निकम्मी सरकार थी, यह उसी की कृपा थी हालांकि वह किसानों की हमदर्द होने का दावा करती थी और उनके लिये बड़े–बड़े आंसू बहाती थी। मैं आपको यह भी बताना चाहता हूं कि 1988–89 में इनकी सरकार ने 12,000 कनैक ान्ज का टारगेट फिक्स किया लेकिन कनैक ान सिर्फ 6,000 दिये। इसी तरह से 1989–90 में इन्होंने 20,000 कनैक ान्ज का टारगेट फिक्स किया लेकिन दिये

सिर्फ 16,000। कहने का मतलब यह है कि टारगेट कभी पूरे नहीं कर सकी। पहले जो सरकार का 10,000 कनैक ान्ज का टारगेट था, हमने उसको बढ़ाकर 20,000 तक फिक्स किया है ताकि किसानों की ज्यादा से ज्यादा मदद की जा सके। 20,000 कनैक ान्ज पर 45 करोड़ रुपया बिजली बोर्ड का खर्च होगा। इसके लिये हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने बिजली बोर्ड से यह कहा है कि सरकार तुम्हें मदद देगी ताकि किसानों के कनैक ान्ज जो इनके राज में इकट्ठे हो गये थे, वे उनको जल्दी दिये जा सकें। अध्यक्ष महोदय, 20,000 कनैक ान्ज इस नीति के तहत हम देंगे। इस तरह से जहां तक पुरानी नीतियों का सवाल है, वह इन्होंने एन्टी फार्मर्ज बनायी। कांग्रेस के राज में एच0टी0 और एल0टी0 कनैक ान के लिये अलग–अलग प्रायारिटी होती थी। आपको पता है कि एल0टी0 का तो केवल एक कनैक ान होता है जिस पर कुछ खर्च नहीं होता। वह तो तुरन्त दिया जा सकता है। एच0टी0 कनैक ान के लिये ट्रांसफार्मर लोड कंडक्टर चाहिये। इसी तरह से सौ किस्म का सामान चाहिये। यानी काफी जुगाड़ चाहिये। इन्होंने दोनो को मर्ज करके एक कर दिया। अब जब दोबारा से कांग्रेस पार्टी का राज आया तो हमने दोबारा सैग्रीगेट किया है। इन्होंने ज्वायंट प्रायरिटी इसलिये बना दी ताकि ट्रांसफार्मर के कनैक ान के पीछे यानी एच0टी0 वाला एल0टी0 के पीछे खड़ा रहे। इस सरकार ने आते ही इस पूरी नीति को दोबारा रिव्यू करके अलग–अलग प्रायरिटी कर दी। एल0टी0 कनैक ान के लिये इन्होंने 5,000 रुपये किसान से निर्धारित कर रखे थे कि वह देगा

तब कनैक ान सरकार देगी। उसमें 10–20 मीटर तार लगती है। उसके लिये उससे 5,000 रुपये रख लिये कि यह पैसा सरकार लेगी तभी कनैक ान देंगे। अब हम 5,000 रुपये तो क्या 5 रुपये भी नहीं लेंगे। हम उसको कनैक ान रिलीज कर देंगे। हमने पैसा लेने का सिस्टम अबौलि ा कर दिया है। एक इन्होंने रिस्ट्रिक ान और लगा दी। ऐसी लगायी ताकि किसान को कनैक ान ही न मिल सके। 25 के0बी0ए0 से बड़ा ट्रांसफार्मर आप यूज नहीं कर सकते क्योंकि क्षमता थोड़ी है। (व्यवधान) मैं हाउस को बताने लग रहा हूं। आपको तो पता ही नहीं है। यही तो दिक्कत की बात है। मै। इस सरकार की नीति बताने लग रहा हूं। सतबीर सिंह जी, नीति तो हम ही बतायेंगे, आप तो नहीं बतायेंगे। पहले इनकी सरकार ने 25 के0बी0ए0 की रिस्ट्रिक ान लगा रखी थी। हमने वह रिस्ट्रिक ान खत्म करके अब 63 और 100 के0बी0ए0 के ट्रांसफार्मर भी यूज कर सकते हैं, ऐसा हमने कर दिया है। एक काम इन्होंने और किया था। टैस्ट रिपोर्ट के लेने पर पाबन्दी लगा दी थी। इस सरकार ने आने के बाद यह कह दिया है कि 31 मार्च, 1911 तक की टैस्ट रिपोर्ट तो सक की लो और जिस सब–डिवीजन में 50 से कम कनैक ान्ज के लिये टैस्ट रिपोर्ट पैंडिंग हैं, वहां की लेटैस्ट चाहे आज की भी हो, वह भी ले लो। इस तरह से किसानों की हितैशी, इस सरकार ने फैसले किये हैं।

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, आई0पी0एस0 साहब ने यह बताया है कि ऐप्लीके ान्ज के नम्बर से यह जायजा

सही नहीं लगया जा सकता कि वाकई वे लोग कनैक ान लेना चाहते हैं या नहीं लेना चाहते हैं। मैं उनकी इस बात से सहमत नहीं हूं। जो लोग ऐप्लीके ान देते हैं, वह कनैक ान लेने के लिये ही देते हैं। भाायद ही कोई एक परसैंट आदमी ऐसे होंगे जिसने सीरीयसली ऐप्लीके ान न दी हो और वह कनैक ान न लेना चाहता हो। मंत्री महोदय ने यह भी कहा कि टैस्ट रिपोर्ट ये यह पता चलता है कि कितने लोगा कनैक ान लेना चाहते हैं। एक बात मैं इस बारे में यह कहना चाहता हूं कि किसान लोन लेकर मोटर लगवाता है। जब तक मोटर नहीं लगती, तब तक वह टैस्ट रिपोर्ट नहीं दे सकता। यह बिजली बोर्ड की तरफ से कंडी ान है। ऐसी हालत में मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जिन लोगों की ऐप्लीके ान आयी हुई है, क्या वह उनको डिमांड नोटिस देंगे। डिमांड नोटिस दिये बगैर वे टैस्ट रिपोर्ट नहीं दे सकते। डिमांड नोटिस इ ाू होने के बाद जब उनकी टैस्ट रिपोर्ट आयेगी तो कितने दिनों के बाद वह कनैक ान दे देंगे ताकि किसान जो अपनी मोटर वगैरह लगवाने के लिये लोन लेता है, उस पर ब्याज का भी बोझा पड़ता है, उससे परे ाान न हो।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने 31 मार्च, 1991 तक के डिमांड नोटिसिज इ ाू करवा दिये हैं। पिछली सरकार ने बन्द कर रखे थे। 20 हजार कनैक ान्ज हम 31 मार्च, 1991 तक दे देंगे और बाकी के 28 हजार में से 8 हजार जिनकी टैस्ट रिपोर्टस हमारे पास आई है

उनको हम अगले साल कनैक ान दे देंगे। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि यह सरकार किसानों के प्रति पूरी तरह से जागरूक है और सरकार किसानों की दिक्कतों को अच्छी प्रकार से समझती है कि उनकी क्या–क्या दिक्कते हैं। पहली सरकार ने डिमांड नोटिसिज इ ू करने बन्द कर दिये थे। जो बैन उन्होंने लगा रखा था वह बैन अब इस पापुलर सरकार ने उठा लिया है और वह बैन उठने के बाद ही सरकार ने अब यह सारी कार्यवाही की है। जहां तक इन्होंने यह काह कि किसानों को मोटरें लगानी पड़ती है या दूसरी फिटिंग वगैरह भी पहले करवानी पड़ती है यह बात तो इनकी सही है क्योंकि अगर मोटर न लगी होगी, कुआं न खुदा होगा, कोठा न बना हो या दूसरी फिटिंग न हुई होगी तो फिर उस पर कनैक ान किस चीज का देंगे। यह सारी बातें कनैक ान लेने के लिये बड़ी ही आव यक है। इसके साथ साथ मैं यह भी बता देना चाहता हूं कि टैस्ट रिपोर्ट आने के बाद किसानों को कनैक ान दे दिये गये हैं। पहले ऐप्लीके ान देना फिर टयूबवैल कनैक ान लेना यह एक कन्टीन्युअस प्रोसैस है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री महोदय से यह कहूंगा कि सरकार को इस मामले में कोई पालिसी डिसीजन लेना चाहिये। होता क्या है कि किसान ट्यूबवैल कनैक ान के लिये बड़ी भारी रकम खर्च करता है महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, भिवानी, झज्जर, गुड़गांव व हिसार के इलाके ऐसे हैं जहां एक से डेढ़ लाख रुपये तक ट्यूबवैल पड़ता है। कुरूक्षेत्र, करनाल,

कैथल व यमुनानगर के इलाकों में भी पानी काफी नीचे चला गया है और वहां पर भी ट्यूबवैल्ज लगाने पर काफी खर्चा होने लग गया है। इसलिये मैं चीफ मिनिस्टर साहब से यह कहूंगा कि इसके लिये कोई एक्सपर्टस की एक कमेटी बनाए जोकि इस बात की जांच करे, ऐसा कोई फैसला करे ताकि किसानों को किसी परे ाानी का सामना न करना पड़े क्योंकि किसान जिस दिन से पैसा ले लेता है उसी दिन से उसका ब्याज भाुरू हो जाता है जिससे कनैक ान मिलने से पहले किसान की और उसके ट्यूबवैल की नीलामी के आसार हो जाते हैं। इसलिये चीफ मिनिस्टर साहब को चाहिये कि वह इसके लिये एक कमेटी बनाएं और वह कमेटी यह देखे कि जब किसान का लोन सैक ान किया जाए, ट्यूबवैल तैयार हो उस वक्त तक कनैक ान की भी तैयारी हो जानी चाहिये। क्या इस बात को चीफ मिनिस्टर ऐ योर करेंगे?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी सभी बातों को भली भांति जानते है। कि पहली सरकार ने लोगों को, गरीब किसानों को काफी गुमराह किया था लेकिन हमने आते ही यह फैसला लिया है कि किसानों की हर लिहाज से मदद की जानी चाहिये। चौधरी बंसी लाल जी ने ठीक ही कहा है कि किसान बैंक से लोन लेकर के ट्यूबवैल लगाता है और लगाने के बाद ही उसकी किस्ते भाुरू हो जाती है और उसको कनैक ान नहीं मिलता, ब्याज लगना भाुरू हो जाता है। किसानों के साथ इससे ज्यादा ज्यादतियों की और काय बात हो

सकती है? वैसे तो चौधरी सुरजेवाला साहब ने तफसील में सब कुछ बात दिया है लेकिन मैं फिर भी कलीयर कर देता हूं कि हमने यह फैसला किया है कि जो 28 हजार टैस्ट रिपोर्ट्स लोगों ने दी हैं उनमें से 20 हजार को हम 31 मार्च, 1991 तक कनैक ान्ज दे देंगे और बाकी के 8 हजार केसिज को जाने वाले 6 महीने से पहले–पहले हम कनैक ान्ज दे देंगे। आने वाले समय में किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होगी 20 हजार कनैक ान्ज का टारगेट हमारा हर साल रहेगा इसलिये हम किसानों को कभी ऐसी दिक्कत नहीं आने देंगे। स्पीकर साहब, जैसा कि माननीय सदस्यों ने कहा कि ऐसी किसानों को ट्यूबवैल के कनैक ान लेने में दिक्कत आ रही है। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि यदि हमें बिजली बोर्ड को स्पै ाल पैसा भी देना पड़े तो पैसा देकर उनकी दिक्कतों को जरूर दूर करेंगे। किसानों के लिए जितना दर्द इनको है उतना हमारे दिल में भी है। उनको कोई दिक्कत नहीं आने देंगे।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने काह कि बिजली बोर्ड को स्पै ाल ग्रांट देकर लोगों की दिक्कतें दूर कर देंगे। मुख्य मंत्री जी ने बताया कि 31 मार्च तक हम 20 हजार कनैक ान क्लीयर कर देंगे और बाकी के कनैक ान हम अगले छः महीने में लगा देंगे। मैं मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि क्या इन्होंने परमानैन्ट कोई पालसी तय की है ताकि स्पैसिफिक टाईम में जमींदार को ट्यूबवैल का कनैक ान मिल जाए?

चौधरी भजन लालः चौधरी साहब आप तो खुद मुख्यमंत्री रहे हैं और आप जानते हैं कि सिम्पल ऐप्लीके ान देने से काम नहीं चलता है। ऐप्लीके ान देने के बाद टैस्ट रिपोर्ट देनी पड़ती है। टैस्ट रिपोर्ट के बाद बिजली बोर्ड डिमान्ड नोटिस इ ू करता है और इस प्रोसैस में टाईम तो लग जाता है। बोर्ड के पास मैटीरियल की भी कमी होती है जिसकी वजह से देरी हो जाती है।

श्री बंसी लालः आपने बताया कि भिवानी जिला में अढ़ाई हजार कनैक ान पैंडिंग पड़े हैं परन्तु मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह फिगर गलत है। अढ़ाई हजार से ज्यादा पैंडिंग पड़े हैं।

चौधरी भजन लालः चौधरी साहब, जैसा कि मैंने पहले बताया कि हमारे पास सारी स्टेट में 28 हजार टयूबवैल कनैक ान के लिए ऐप्लीके ान्ज पड़ी हैं और उनमें से 20 हजार कनैक ान तो 31 मार्च, 1991 तक दिए जाएंगे और बाकी के कनैक ान अगले छः महीने में दे देंगे।

चौधरी छत्तर सिहं चौहानः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवार करता हूं। मैं एक बात मंत्री महोदय के ध्यान में लाना चाहता हूं कि भिवानी जिला में पैंडिंग ऐप्लीके ान्ज की संख्या 3,502 है। मुझे नहीं मालूम ये कौन से महीने की फिगर दे रहे हैं परन्तु हमारी

इन्फरमे ान के हिसाब से साढ़े चार हजार से ज्यादा ट्यूबवैल के कनैक ान की ऐप्लीके ान्ज पैंडिंग पड़ी हुई हैं। इस सम्बन्ध में चौधरी अमर सिंह जी, जो भिवानी जिले से सम्बन्ध रखते हैं, आई0पी0एम0 साहब से और चीफ मिनिस्टर साहब से मिले थे और उनसे गुजारि ा की थी कि चूंकि इस साल भिवानी में बहुत भारी कहत पड़ा हुआ है, पानी की वहां बड़ी भारी दिक्कत है, नहर का पानी वहां मिल नहीं रहा है, उनसे यही गुजारि ा की थी कि जितने भी टयूबवैल कनैक ांज की ऐप्लीके ान्ज पैंडिंग पड़ी हुई हैं उनको जल्दी से जल्दी कनैक ान दिलाया जाए ताकि नहरों के पानी की बजाए उनको टयूबवैल का पानी मुहैया हो सके और उनको राहत मिल सके। इस बारे में एस0ई0, एच0एस0ई0बी0 भिवानी से भी बात हुई थी। उन्होंने कहा कि 300 कनैक ान्ज देंगे। इसलिए जो, मंत्री जी ने कहा है और मुख्यमंत्री जी ने कहा और एस0ई0 ने जो हमें जवाब दिया इसमें कंट्राडीक ान है। इनमें से कौन ठीक है यह तो मंत्री महोदय ही बताएंगे। अब मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि जुलाई 1991 से आज तक भिवानी में कितने टयूबवैल कनैक ांज दिए गए हैं? इसके साथ साथ मैं एक बात मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि भिवानी जिला में एक सांजरवास सबडिवीजन है जिसमें 1987 से 4 दर्जन टयूबवैल कनैक ान की ऐप्लीके ान्ज पैंडिंग पड़ी हैं। मुझे नहीं मालूम वे किन कारणों से पैंडिंग पड़ी हुई हैं। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि कनैक ान देने का क्या क्राईटेरिया है, क्या कनैक ान सीनियोरिटी के हिसाब से दिए जाते हैं? मेरे

विचार में ऐप्लीके ान्ज सीनियोरिटी के हिसाब से रखी जाए और उसी के हिसाब से कनैक ान दिए जाएं। इस बारे में यह भी पूछना चाहूंगा कि हर साल आप कितने कनैक ान देते हैं। भिवानी जिला में लोहारू, बाढड़ा तथा दादरी एरिया में नहर का पानी नहीं मिलता है इसलिए वहां पर टयूबवैल के कनैक ान टॉप प्रायरिटी के आधार पर दिये जाने चाहिए ताकि उस इलाके के लोगों को राहत मिल सके और वे अपनी फसलों को बचा सके।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि भिवानी जिले में इस समय 1500 ऐप्लीके ान्ज ऐसी पड़ी हैं जिनकी टैस्ट रिपोर्टस पैंडिंग पड़ी हुई हैं। जहां तक इन्होंने भिवानी जिले में नहर का पानी प मिलने की बात कही है यह सरासर गलत है। पानी तो हम जरूर दे रहे हैं। जहां तक इन्होंने टयूबवैल कनैक ान देने के बारे में क्राईटेरिया पूछा है मैं इनको बता देना चाहता हूं कि हमने फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व बेसिज का क्राईटेरिया बनाया हुआ है। जितनी भी ऐप्लीके ान्ज आती हैं वह रजिस्टर में दर्ज होती है। बाकाययदा रजिस्टर मेनटेन किया हुआ है और यह एक पब्लिक डाकुमैंट है। ये कभी इसको देख सकते हैं। मैंने और सी0एम0 साहब ने या बिजली बोर्ड ने अगर किसी को आउट आफ टर्न एक भी कनैक ान रिलीज किया हो तो जो भी सजा आप मुझे देना चाहें वह मैं भुगतने के लिए तैयार हूं।

श्री धर्मपाल सिंहः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आई0पी0एम0 साहब ने बताया कि भिवानी जिले के अन्दर 3,502 ऐप्लीके ान्ज पैंडिंग हैं और 1,500 टैस्ट रिपोर्टस पैंडिंग हैं। होता क्या है कि जब तक महकमा टैस्ट रिपोर्ट स्वीकार नहीं करता तब तक डिमान्ड नोटिस भी नहीं कटता। असलियत में लगभग चार हजार लोगों की ऐप्लीके ान्ज पड़ी हैं और उसके बाद यह डिमांड नोटिस कटेंगे और डिमांड नोटिस कटने के बाद बोर्ड वाले कोई भी बहाना लेकर टैस्ट रिपोर्ट स्वीकार नहीं करते। वे कहते हैं कि इसका स्टार्टर खराब है। प्र न यह है कि अब तक 3,502 ऐप्लीके ान्ज जो पैंडिंग पड़ी हैं उनमें से कितने जमींदारों के डिमांड नोटिस कटे हैं और कितनी टैस्ट रिपोर्ट्स स्वीकार हो गयी हैं।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य की यह बात बिल्कुल ठीक नहीं है कि कनैक ांज रिलीज करने में किसी तरह की कोई भी मैनिपुले ान की गयी है। पहले मैंने सरकार के और बोर्ड के बारे में कहा था अब मैं यह भी कहता हूं कि माननीय सदस्य लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए हमारी मदद करें और जहां पर किसी अधिकारी ने किसी तरह की कोई भी मैनिपुले ान की हो उसके बारे में हमें बतायें। हम तुरन्त कार्यवाही करेंगे और संबंधित अधिकारी को तुरन्त सस्पैण्ड करेंगे। (ाोर)

श्री अमर सिंहः भिवानी में ही तीन ऐसे केसिज हैं। एस0ई0 ने डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैन्सिज कमेटी में यह खुद माना है कि जे0ई0 ने तीन ऐसे कुनैक ांज रिलीज किए हैं जिनकी टर्न नहीं थी।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मुझे यह किसी का नाम तो बतायें।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, मैं आई0पी0एम0 से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह सच है कि नरवाना में तो मार्च, 91 तक की टयूबवैल कनैक ांज के लिए आयी हुई सभी ऐप्लीके ांज को कनैक ांज रिलीज कर दिये गये हैं और रतिया में 1985 की भी ऐसी ऐप्लीके ांज पैंन्डिग हैं।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह बात बिल्कुल निराधान है कि हमने कोई भी कनैक ान नरवाना तथा स्टेट में किसी अन्य जगह आउट आफ टर्न दिये हैं। प्रान्त के दूसरे हल्कों की अपेक्षा ऐसे कनैक ांज नरवाना में नहीं दिये गये हैं। यह भी इनकी बात गलत है कि रतिया में 1985 के बाद कोई भी कनैक ान नहीं दिया गया है। पहले चार सालों की जिम्मेदारी तो पिछली सरकार पर थी और पीर चन्द जी उनके साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चलते थे। हमने सभी जगहों पर एक फार्मूले के आधार पर कनैक ांज रिलीज अब तक किये हैं और आगे भी इसी फार्मूले के आधार पर रिलीज करते रहेंगे।

श्री मनी राम केहरवाला: स्पीकर साहब, एक इनकी स्कीम थी कि जो आदमी सात हजार या 10 हजार रुपये एकदम जमा करवा देगा, उसको कनैक ान देने के लिए प्रायरिटी दी जायेगी। इन्होंने उस पैसे की कोई रसीद नहीं दी। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि उस पैसे का हिसाब हो जायेगा या नहीं?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, जो बिजली बोर्ड के पास पैसा आता है उसका बाकायदा हिसाब होता है लेकिन ताऊ के फंड का हमारे पास हिसाब नहीं है।

Mr. Speaker: Questions hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Administrative Complex/Judicial Complex

***4. Shri Om Parkash Beri:** Will the Minister for Revenue be pleased to state the names of the districts where Administrative Complex/Judicial Complex and Mini Secretariat have been constructed in the State so far?

राजस्व मन्त्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

राज्य में प्र ाासकीय ब्लाक/न्यायायिक कम्पलैक्स तथा लघू सचिवायल जिनका निर्माण हो चुका है, का जिलावार ब्यौरा द र्ाने वाला विवरण।

क्र0सं0	जिले का नाम	यूनिट
1.	भिवानी	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक तथा न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।
2.	फरीदाबाद	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक तथा न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।
3.	महेन्द्रगढ़ स्थित नारनौल	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक तथा न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।
4.	सोनीपत	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक तथा न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।
5.	हिसार	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक तथा न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।

6.	जीन्द	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक तथा न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।
7.	अम्बाला	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक पूर्ण हो चुका है।
8.	करनाल	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक पूर्ण हो चुका है।
9.	रोहतक	लघू सचिवालय में प्र ाासकीय ब्लाक पूर्ण हो चुका है।
10.	सिरसा	लघू सचिवालय में न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।
11.	गुड़गांव	लघू सचिवालय में न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।
12.	कुरूक्षेत्र	लघू सचिवालय में न्यायायिक कम्पलैक्स पूर्ण हो चुका है।

Agra Canal

***62. Shri Karan Singh Dalal**

Prof. Ram Bilas Sharma : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) the share of water Haryana gets from the Agra Canal at prsent; and

(b) whether the State Government has taken up the matter with the Uttar Pradesh Government for taking over the control of Agra Canal falling in the area of Haryana; if so, the details thereof?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला):

(क) आगरा नहर के वितरण बिन्दु पर जो पानी आता है उसमें हरियाणा का हिस्सा 20.6% है।

(ख) हां यह मामला 1962 से लंबित है। हरियाणा सरकार आगरा नहर की इन चैनल्ज को हरियाणा को देने के लिये उत्तर प्रदे ा सरकार पर दबाव डाल रही है। लेकिन मामले का अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है।

Auction of Damaged Buses of Haryana Roadways

***81. Prof. Chhattar Singh Chauhan:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) the depotwise number of Haryana Roadways Buses, if any, auctioned which were damaged during the anti-reservation agitation in the State togetherwith the amount realised therefrom separately; and

(b) the criteria adopted for the auction of buses as referred to in part (a) above?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलबीर पाल भााह):

(क) आव यक सूचना अनुबन्ध ''क'' पर सभा पटल पर रखी जाती है।

(ख) इन बसों का वरिश्ट अधिकारियों तथा तकनीकी अधिकारियों की एक कमेटी द्वारा निरीक्षण किया गया तथा जो बसें सड़क पर चलने के योग्य नहीं थी उनको नाकारा घाशित कर दिया गया था तथा इन वाहनों को समाचार पत्रों में ज्ञापन देकर नीलाम कर दिया गया था।

अनुबन्ध ''क''

क्र0सं0	डिपों का नाम	निलाम की गई बसों की संख्या	प्राप्त हुई रा ि ा (रुपये)
1.	सोनीपत	74	43,55,700
2.	जीन्द	4	1,80,300
3.	चण्डीगढ़	5	4,91,650
4.	करनाल	1	55,200
5.	कुरूक्षेत्र	4	2,45,100

6.	कैथल	1	52,000
7.	हिसार	2	99,300
8.	रिवाड़ी	2	83,000
9.	फरीदाबाद	14	6,50,550
10.	रोहतक	11	4,63,500
11.	दिल्ली	4	1,57,000
	कुल	**122**	**68,33,300**

Custodian Land

***35. Shri Mani Ram Keharwala:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) the total area of custodian land under the village Panchayats in the State at present;

(b) whether any case of encroachment of the said custodian land in districts Hissar and Sirsa has come to the notice of the Government during the current financial year; and

(c) if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government to remove the said encroachment?

विकास मन्त्री (राव बंसी सिंह):

(क) भुन्य।

(ख) प्र न ''क'' के उत्तर के दृश्टिगत प्र न उत्पन्न नहीं होता है।

(ग) प्र न ''ख'' के उत्तर के दृश्टिगत प्र न उत्पन्न नहीं होता है।

Construction of over Bridge on Railway Line at Faridabad

***49. Prof. Ram Bilas Sharma:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct an over bridge on railway line near Bata Chowk in Faridabad; and

(b) if so, the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां।

(ख) इस समय उपरोक्त पुल का निर्माण का समय नहीं बताया जा सकता क्योंकि रेलवे विभाग ने अभी इस स्कीम को अपने निर्माण कार्यक्रम में भाामिल करना है।

Upgradation of Schools in Naultha Constituency

***104. Shri Satbir Singh Kadian:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether any decision has been taken by the Government for upgrading the schools in Naultha Constituency during the month of Marck/April, 1991; and

(b) if so, the names thereof togetherwith the action taken in the matter?

ि ाक्षा मन्त्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी):

(क) जी हां।

(ख) ऐसे विद्यालयों की सूची सदन के पटल पर रखी जाती है। अन्य अपग्रेड किए गए विद्यालयों के साथ इन विद्यालयों के भी स्तर बढ़ाने बारे आदे ा रद्द कर दिए गए थे। क्योंकि स्वीकृति वर्श 1991–92 के स्वीकृत बजट व्यवस्था के अनुसार नहीं थी।

सूची

विधान सभा क्षेत्र नौलथा के स्कूलों की सूची जिनका स्तर दिनांक 27–3–91 को बढ़ाया था:–

प्राथमिक से माध्यमिक स्तर

1. पालरी

2. प्रहलादपुर खलीला

3. ब्रह्मण माजरा

4. चन्दोली

5. अहमदपुर

6. मांडी (कन्या)

7. चिचराना

8. चामरोरा

माध्यमिक से उच्च स्तर

1. इसराना (कन्या)

2. कूटानी (कन्या)

3. मवालरा

4. पूथर

उच्च से वरिश्ठ माध्यमिक स्तर

1. बुलाना लाखू

2. उरलाना कलां

3. भााहपुर

Tubewells connections in the State

***21. Shrimati Chandravati:** Will the Minister for Irrigation and Power be please to state-

(a) whether any target is fixed for relasing the tubewells connection in the State during the year 1991-92; and

(b) if so, the number thereof togetherwith the time by which the aforesaid tubewell connections are likely to be given?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री भाम ारे सिंह सुरजेवाला):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) 31 मार्च, 1992 तक लगभग 20,000 टयूबवैल कनैक ान जारी करने का लक्ष्य है।

Water Supply Scheme in Bawani-Khera Constituency

***28. Shri Amar Singh:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce new scheme for providing drinking water facilities to Jita Kheri, Dhulkot, Alakhpura, Daya, Chirod and Ravat Khera Villages of Bawani Khera constituency in Bhiwani District; and

(b) if so, the time by which said scheme is likely to be implemented?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) जी हां, सिवाये धूलकोट के।

(ख) यह योजनायें केन्द्रीय सहायता से सम्पन्न होती है तथा यह दो वर्शों में धन रा ि ा मिलने की उपलब्धता पर चालू करनी संभव होगी।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Waiving of Interest

1. Shri Amar Singh: Will the Minister for Cooperation be pleased to state the total amount of interest waived off in favour of small and marginal farmers and village artisans of the State during the period from June, 1991 to-date under the Protection & Incentive Scheme of the State Government?

सहकारिता मन्त्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया):

उत्पादन प्रोत्साहन स्कीम, 1991 के अन्तर्गत जून, 1991 से 12–12–1991 तक छोटे किसानों, सीमान्त किसानों तथा दस्तकारों को जो प्रोत्साहन की रा ि ा दी गई है, वह निम्न प्रकार है:–

क्रमांक	लाभान्वितों की संख्या	प्रोत्साहन की रा ि ा	
		(रुपए लाखों में)	
1.	छोटे किसान	23,888	418.99

2.	सीमान्त किसान	3,726	53.93
3.	दस्तकार	3,408	26.24

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Irrigation and Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 19th December, 1991.

Mr. Speaker: Motioni moved-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 19th December, 1991.

Mr. Speaker: Question is-

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 19th December, 1991.

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि आपने मेरे 3–4 क्वै चंज यह कह कर डिस–अलाऊ किए कि ये तीन चार मिनिस्टर्ज से संबंधित हैं। मेरी आपसे और मुख्य मन्त्री जी से प्रार्थना है कि एक हफ्ते तक आप एक बुकलैट इ ू करवाएं जैसे कि पार्लियामैंट में होता है कि किस महकमे का जवाब कौन मन्त्री देगा क्योंकि मुख्य मन्त्री जी ने आधा महकमा किसी मन्त्री को दे रखा है और आधा किसी और मन्त्री को दे रखा है। इसलिए आप इस बुकलैट को एक हफ्ते में या तो प्रिंट करवा कर दे दें या साइकलोस्टाइल करवा कर दे दें।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, ऐसा कहना इन्हें भाोभा नहीं देता।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैनं रूल 66 के तहत एक ऐडजर्नमैंट मो ान दिया है। पिछले एक पखवाड़े से ऐसा महसूस हो रहा है कि केन्द्र सरकार पंजाब को खु ा करने के लिए हरियाणा स्टेट के एस0वाई0एल0 नहर के पानी तथा टैरेटरी इंट्रस्ट को न्योछावर करेगी। इस चिन्ता के मामले में हम सरकार के साथ हैं। पंजाब के हिन्दी स्पीकिंग एरियाज हरियाणा को साइमलटेनसली दिए बगैर अगर चण्डीगढ़ को पंजाब में ट्रांसफर कर दिया तो हम 16 के 16 विधायक इस्तीफा दे देंगे। हम जानना चाहते हैं कि इस बारे में सरकार क्या ब्यान देना चाहती है और क्या वह हमारी तरह आगे आने के लिए तैयार है। (ाोर) ये लोग बाहर कुछ ब्यान देते हैं और हाउस के अन्दर कुछ ब्यान देते हैं।

बाहर इन्होंने ब्यान दिया है कि एस0वाई0एल0 का काम बी0आर0ओ0 को दे दिया है। खुद सुरजेवाला, आई0पी0एम0 ने रिवाड़ी में कहा है कि एस0वाई0एल0 नहर का पानी नियर फ्यूचर में आने की संभावना नहीं है। हम इस बारे में गवर्नमैंट से कटेगरीकल स्टेटमैंट चाहते हैं। स्पीकर साहब, आप मेरे ऐडजर्नमैंट मो ान को एडमिट करें ताकि हम पूरी डिटेल में बात बात सकें और गवर्नमैंट उसका जवाब दे सके।

स्पीकर साहब, कुछ राजनैतिक कारणों से केन्द्रीय सरकार को जोकि अल्पमत में है, बहुमत में कन्वर्ट करने के लिए कुछ एम0पीज0 की जरूरत है। इसलिए केन्द्रीय सरकार पंजाब में चुनाव कराना चाहती है। हम चाहते हैं कि उस ऐडजर्नमैंट मो ान पर डिस्क ान हो और गवर्नमैंट बाकायदा हमारी बात का जवाब दे, हम सरकार से यही आ ाा करते हैं।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, कल हमने आपसे एस0वाई0एल0 के बारे में डिस्क ान के लिए रिक्वैस्ट की थी। हम चार विधायकों ने आपसे इस बारे में दरखास्त की थी और आपने कहा था कि आधा घंटा की बहस के बारे में कल विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा के लोग आज चिन्ता में हैं। कांग्रेस की रिवायत हो गई है कि जब पंजाब में चुनाव कराने कराने हों तो हरियाणा का कत्ल कर देती है और जब हरियाणा में चुनाव कराने होते है। तो पंजाब का कत्ल कर देती है। इस बात का सबूत सुरजेवाला जी के उस ब्यान से मिलता है जिसमें उन्होंने

रिवाड़ी के अन्दर कहा था कि प्यासे इलाके को पानी नहीं मिलेगा। मुख्य मन्त्री जी ने कहा कि एस0वाई0एल0 का काम सीमा सुरक्षा संगठन को सौंपा गया है लेकिन श्री चव्हान ने कहा कि संगठन को कोई काम नहीं सौंपा गया है। स्पीकर साहब, आज हरियाणा का आदमी घबराया हुआ है। छोटा सा हरियाणा आज आतंकवाद से लड़ रहा है। स्पीकर साहब, अगर मुख्य मन्त्री जी विपक्ष के लोगों से कुर्बानी मांगते हैं तो हम वह कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। एस0वाई0एल0 और टैरेटरी के सवाल पर जो बात मुख्य मन्त्री जी कहेंगे और वह बात हरियाणा के हित में अगर होगी तो हम हर कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। स्पीकर साहब, मैं यही कहना चाहता हूं कि जैसा कि आपने कल कहा था आप डिस्क ान का मौका हमें दें।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैंने रूल 84 के अन्डर मो ान दिया था जिसमें दो इ ू उठाए थे—एक एस0वाई0एल0 के बारे में जिसका जिक्र अभी सम्पत सिंह जी और श्री राम बिलास भार्मा ने किया है कि वी0आर0ओ0 को एस0वाई0एल0 का वर्क ऐनट्रस्ट कर दिया है। इस तरह का ब्यान मुख्य मन्त्री जी पिछले चार महीने से दे रहे हैं। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल ने पार्लियामैंट की प्रोसीडिंग्ज दिखाई जिससे यह पता लगा कि ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है। पार्लियामैंट में श्री वी0सी0 भुक्ला ने कहा था कि बी0आर0 को एस0वाई0एल0 का काम देने का कोई फैसला नहीं हुआ है। स्पीकर साहब, एस0बी0 चव्हान का 15

तारीख का ब्यान 16 तारीख के अखबारों में छपा कि कोई फैसला बी0आर0ओ0 को देने का नहीं हुआ है।

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): आप जैसे सीनियर मैम्बर की गलत इंफरमे ान स्प्रैड नहीं करनी चाहिए।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, बोर्डर रोड्ज आर्गेनाईजे ान को कोई काम ऐन्ट्रस्ट नहीं किया गया। ऐसे सैन्सेटिव मैटर्ज पर प्रोवोकेटिव स्टेटमैंट चौधरी भजन लाल को नहीं देना चाहिए। स्पीकर साहब, यमुना नगर थर्मल पावर प्लांट के बारे में मुख्य मन्त्री जी ने ब्यान दिया कि हरियाणा की सिल्वर जयन्ती के अवसर पर पहली नवन्बर को थर्मल प्लांट का फाउंडे ान स्टोन ले डाऊन कर दिया जाएगा लेकिन कुछ दिन बाद सुरजेवाला का बयान आया कि यह तो अभी यूनियन गवर्नमैंट ने कलीयर नहीं किया है। इसके प चात् मुख्य मन्त्री जी ने कहा कि इसका फाउंडे ान स्टोन साल के एण्ड में ले, कर कर दिया जाएगा। स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री और इरोगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर दोनों के बयान आपस में कन्ट्राडिक्टरी हैं। दूसरे स्पीकर साहब, चण्डीगढ़ के बारे में पिछले डेढ़ महीने से चर्चा हो रही है लेकिन हमारी सरकार इस बारे में बिल्कुल खामो ा है। और सरकार की खामो ी से इस सारे वातावरण में हरियाणा के लोग पूरी तरह से चिन्तित हैं और समझते हैं कि मौजूदा सरकार टैरीटरी और एस0वाई0एल0 के ई ू पर सैंटर के दबाव में आ

कर हरियाणा के हितों को बेचेगी। इसलिए हम स्पश्ट तौर पर निवेदन करना चाहते हैं कि मुख्य मन्त्री जी खुल कर स्टेटमैंट दें कि चण्डीगढ़ तब तक पंजाब को ट्रांसफर नहीं किया जाएगा जब तक अबोहर फाजिल्का के 107 गांव हरियाणा को न मिल जाएं और राजधानी बनाने के लिए माकूल मुआवजा न मिल जाए। इसके अलावा हम मुख्य मन्त्री जी से यह भी जानना चाहते हैं कि वे एस0वाई0एल0 कैनाल किस ऐजेन्सी से बनवायेंगे और कब तक बनवायेंगे? इस बारे में मुख्य मन्त्री जी डैड लाईन फिक्स करें। एस0वाई0एल0 कैनाल के बारे में सारे सदन के विचार सुने जाएं।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप हमारी मो ान के बारे में बताएं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मो ान के बारे में भी बताएंगे। सी0एम0 साहब कुछ कहना चाहते हैं, पहले आप उन के व्यूज सुन लें। आप कृपया बैठ जाएं। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आपने हमारी बात तो सुनी ही नहीं और सी0एम0 साहब को बोलने के लिए अलाऊ कर दिया। (ाोर)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो बों कही हैं उनका जवाब तो देना ही पड़ेगा। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप हमारी ऐडजर्नमैंट मो ान ऐडमिट कर लें और उस पर डिस्क ान के लिए टाईम

फिक्स कर लें। डिस्क ान जब हो जाएगी उसके बाद ये जवाब दे दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपने तो अपनी सारी बातें कह ली हैं। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः सारी बातें कहां कह ली जी। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनके पास कहने के लिए क्या है? (ाोर)

श्री अध्यक्षः पहले मैं सी0एम0 साहब के व्यूज सुन लूं। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पहले हमें अपनी बात कहने के लिए अलाऊ करें। हमने अपनी बात नहीं कही है। हमने तो केवल मात्र आपको सब्जैक्ट मैटर बताया है कि यह सब्जैक्ट मैटर है और उस सब्जैक्ट मैटर पर आप डिस्क ान अलाऊ करें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः पहले मैं सी0एम0 साहब के व्यूज सुन लूं।

प्रो0 सम्पत सिहंः सी0एम0 साहब के व्यूज तो डिस्क ान के बाद सुने जाएंगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सदन मे आपके सामने जो चिन्ता व्यक्त की है उसके बारे में मेरा कर्तव्य बनता है

कि मैं पोजी ान स्पश्ट करूं। (ाोर) आप मेहरबानी करके बैठें, ऐसा न करें। सम्पत सिंह जी आप मेहरबानी करके बैठ जाएं। (ाोर) हाउस को ठीक ढंग से चलने दें।

श्री अध्यक्षः पहले आप सभी बैठ जाएं। (ाोर) Let the Chief Minister have his say.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप हमारी ऐडजर्नमैंट मो ान को ऐडमिट करें। (ाोर)

Mr. Speaker: Hon. Members I had received a notice of adjournment motion from Shri Sampat Singh and 12 other hon. membes regarding completion of S.Y.L. Canal. I have disallowed it.

Prof. Sampat Singh: Speaker Sir, it is an important issue (Noise & Interruptions). It should be allowed to be discussed.

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, विधान सभा ही एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां पर हम अपनी बात कह सकते हैं। यदि आप हमें अपनी बात कहने के लिए यहां पर अलाऊ नहीं करेंगे तो हम अपनी बात कहां पर कहेंगे? (ाोर) आप हमारे काम रोको प्रस्ताव को ऐडमिट करें। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (ाोर)

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, इसमें प्वायंट ऑफ आर्डर की कोई बात नहीं है। आप हमारी ऐडजर्नमैंट मो ान को डिसअलाऊ न करें उसको एडमिट कर लें। विधान सभा के अलावा ऐसा कौन सा प्लेटफार्म है जहां पर हम अपनी बात कह सकते हैं। हम तो यही पर अपनी बात कह सकते हैं।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरी मो ान का क्या बना। उसके बारे में भी कृपया बता दें।

Mr. Speaker: Your motion under Rule 84 regarding completion of S.Y.L./Thermal plant near Yamuna Nagar, has also been disallowed.

Prof. Sampat Singh: Sir, it is a very serious matter. It should not have been disallowed.

Mr. Speaker: No discussion is allowed after my ruling. (Noise & Interruptions).

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह बड़ा इम्पोर्टेंट मामला है, आप इस पर कृपया डिस्क ान अलाऊ कर दीजिए। (ाोर)

चौधरी भजन लालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि क्या आपकी रूलिंग आने के बाद आपकी रूलिंग को कोई चैलेंज कर सकता है या कोई बोल सकता है? इस बारे में मैं आपकी रूलिंग आनना चाहता हूं। (ाोर)

Mr. Speaker: No member can challenge the ruling and no discussion can take place thereon. (Noise) Nothing on this point is to be recorded now.

श्री सतबीर सिंह कादियान . . . .

प्रो0 राम बिलास भार्मा . . . .

श्री धीर पाल सिंह . . . .

श्री सतबीर सिंह कादियान . . . .

प्रो0 राम बिलास भार्मा . . . .

चौधरी वीरेन्द्र सिंह . . . .

प्रो0 राम बिलास भार्मा . . . .

श्री अमर सिंह . . . .

श्री धीर पाल सिंह . . . .

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपकी रूलिंग आ गई है। उसके बावजूद भी यह बात कह रहे हैं। बगैर आपकी इजाजत से खड़े हो जाते हैं और बोलना भाुरू कर देते हैं। यह इनको भाोभा नहीं देता है। (व्यवधान एवं भाोर) यह रिकार्ड पर नहीं आना चाहिए।

Mr. Speaker: I have already said that it will not be recorded.

(इस समय बहुत से मैम्बर खड़े होकर बोलने लग गए।)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, please be seated. The ruling has been given and no discussion on this matter can take place now. (Interruptions). I will take up the next item on the agenda.

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः हम कहां डिस्कस करें, इस बारे में तो आप हमें गाईड कर दें?

Mr. Speaker: Now ou please take your seat. You have already said your point. There can be no discussion after the ruling.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनका तरीका देखें। इनका अगर यही तरीका रहा तो हम भी इनके किसी मैम्बर को बोलने नहीं देंगे। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी, जब आप लोग बोलते हो तो क्या हमारी तरफ से कोई आदमी बोलता हे? आप हाउस को मछली मार्किट क्यों बनाना चाहते हो। ऐसा नहीं करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठे, अब अगली आईटम भ्रारू हो रही है।

वर्श 1991–92 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस (फर्स्ट इन्सटालमैंट) पर चर्चा तथा मतदान

(i) राज्य के राजस्वों पर प्रभारित व्यय के अनुमानों पर चर्चा

(ii) अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: According to the previous practice and to save the time of the House, the demands on the order paper will be deemed to have been read and moved together. The hon'ble Members can raise discussion on the Demands but while speaking they may indicate the demand No. on which they want to raise discussion.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,67,24,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. ***16-Industries***.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 25,00,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. ***21-Community Development***.

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 6,00,00,000 for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. ***22-Co-operation***.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इनके कारनामे ऐसे हैं कि यह सुनने के लिये भी तैयार नहीं है। मैं इनकी सारी पोल बता दूंगा कि यह क्या–क्या करते रहे हैं।

(इस समय विरोधी दल के बहुत से सदस्य बोलने के लिये खड़े हुए।)

Mr. Speaker: When I am on my legs, please be seated, and let the House proceed.

(इस समय विरोधी दल के बहुत से सदस्य खड़े होकर बोलते रहे।)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जो आपके आदे ा की पालना नहीं करते, उनके खिलाफ आपको ऐक ान लेना चाहिए। यह हाउस है कोई मछली मार्किट नहीं है।

श्री धीर पाल सिंहः अपनी बात कहने का हमारा अधिकार है। निकालने की धमकियों में हम आने वाले नहीं है। (व्यवधान एवं ाोर)

आवाजेंः स्पीकर साहब, हम इन की धमकियों में नहीं आएंगे। (ाोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मेरी आपसे दरख्वास्त है कि आपने अभी तक इनको बहुत ज्यादा बोलने का मौका दिया है और स्पीकर साहब, हमने इनकी सारी बातें टौलरेट भी की हैं। (ाोर) इस तरह से ये लोग सदन की कार्यवाही में विध्न डालने की कोि ा ा कर रहे हैं। यह कोई तरीका नहीं है इन्हें ऐसा करने से रोका जाना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार की ओर से हमें धमकियां दी गई हैं और हम इनकी धमकियों के आगे झुकने वाले नहीं हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी सुरजेवाला साहब ने कहा कि सरकार ने हमारी बहुत सी बातों को टौलरेट किया है। मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि इन्होंने क्या टौलरेट किया है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह सदन सब का है। यहां सभी को अपने विचार रखने का पूरा पूरा अधिकार है। (ाोर एवं व्यवधान)

जन स्वास्थ्य मन्त्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय, मरी आपसे रिकवैस्ट है कि आपने प्रोफेसर सम्पत जी व श्री वीरेन्द्र सिंह जी और दूसरी मैम्बर साहेबान की ऐडजर्नमैंट से संबंधित सभी बातें सुनी हैं। इनकी सारी बातें तो रिकार्ड में आ गई हैं और इनका ऐडजर्नमैंट मो ान भी आपने डिसअलाऊ कर दिया है। (ाोर) हम यह चाहते हैं कि इनकी सारी बातें रिकार्ड में नहीं आनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः मेरी रूलिंग के बाद इनकी कही हुई सारी बाते रिकार्ड नहीं की गई हैं।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, हमारी रिकवैस्ट है कि अब हाउस की सिसटेमैटिक ढंग से चलाने के लिये इन पर

अंकु ा लगाया जाना चाहिये और इनकी ऐसी वैसी बातें करने के लिए अलाऊ न किया जाए। (ाोर)

आवाजें: स्पीकर साहब, जिस तरह से सरकार कर रही है इस तरह से हम हाउस को नहीं चलने देंगे। (ाोर)

चौधरी जगदी ा नेहरा: आपकी कोई ठेकेदारी है कि आप हाउस को नहीं चलने देंगे। (ाोर) स्पीकर साहब, जो इन्होंने ऐडजर्नमैंट मो ान दिया उसी वजह से आज यह हालात हाउस में पैदा हो रहे हैं। स्पीकर साहब, ये लोग इस तरह हाउस को डिस्टर्ब करें, यह कोई अच्छी बात नहीं है। इनको रोका जाना चाहिए। आप इनको बैठाइये और हाउस को सही ढंग से चलाने के लिये कार्यवाही करें। (ाोर एवं व्यवधान) ये बातें तो कर रहे हैं, मैं इन से यह पूछना चाहता हूं कि पिछले चार सालों में इन्होंने एस0वाई0एल0 के बारे में क्या किया था? इन्होंने एस0वाई0एल0 का कोई काम भी नहीं किया है। इन की सरकार केन्द्र में थी और यहां पर भी थी उस वक्त इन्होंने एस0वाई0एल0 के बारे में क्या किया। इन्होंने हरियाणा के हितों को ध्यान में नहीं रखा। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, आप सभी भाांत हो जाइए और सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस की डिमांडज पर यदि कोई बोलना चाहता हो तो बोल सकता है। (ाोर)

11.00 बजे

As no member is coming forward to speak on these demands. I will, therefore, put these to the vote of the House.

Question is-

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 1,67,24,000, for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. ***16-Industries.***

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 25,00,000, for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. ***21-Community Development.***

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a Supplementary sum not exceeding Rs. 25,00,000, for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March, 1992 in respect of Demand No. ***22-Cooperation.***

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

11.02 hrs.

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Thursday, the 19th December, 1991.)